तीमुथियुस कै नाम प्रेरित पौलुस की दूसरी चिट्ठी

1 1पौलुस की ओड़ तै जो पणमेसर की इच्छा तै यीशु
मसीह का प्रेरित सै अर जिस ताहीं यीशु मसीह म्ह जीवन
पाण की प्रतिज्ञा का प्रचार करण कै खात्तर भेज्या गया सै:
2प्यारे बेट्टे तीमुथियुस कै नाम।
परम पिता पणमेसर अर म्हारे प्रभु यीशु मसीह की ओड़
तै तैरै ताहीं करुणा, अनुग्रह अर शान्ति मिलै।

धन्यवाद तथा प्रोत्साहन

3रात दिन आपणी प्रार्थनायां म्ह लगातार थारी याद करदे
होए, मैं उस पणमेसर का धन्यवाद करूँ सूं, अर उसकी सेवा
अपणे बुजुर्गां की रीत कै मुताबिक शुद्ध मन तै करूँ सूं। 4मैरै
खात्तर थमनै जो आँसू बहाये सैं, उनकी याद करकै मैं थारै
तै मिलण नै बेचैन सूं, ताके आनन्द तै भर उठूँ। 5मैरै ताहीं
भरोस्सा सै के ओए बिश्वास थारै म्ह भी सै। 6इस करकै मैं
तन्नै याद दुवाण लागरया सूं के पणमेसर के बरदान की उस
ज्वाला ताहीं जळाये राख जो तैरै ताहीं जद मिली थी, जिब
तेरै पै मन्नै आपणा हाथ धरया था। 7क्यूँके पणमेसर नै म्हारै
ताहीं जो आत्मा दी सै, ओ हमनै डरपोक कोनी बणान्दी बल्के
हमनै प्रेम, संयम अर शक्ति तै भर देवै सै।
8इस करकै तू म्हारे प्रभु या मेरी जो उसकै खात्तर कैदी
बण्या होया सै, गवाही देण तै सरमावै मतना। बल्के तैरै ताहीं
पणमेसर नै जो शक्ति दी सै, उसतै सुसमाचार कै खात्तर दुःख
झेलण म्ह मेरा साथ दे।
9उस्से नै म्हारी रुखाळ करी सै अर पवित्र जीवन कै खात्तर
म्हारै ताहीं बुलाया सै---म्हारे अपणे काम्मां कै आधार पै नीं,
बल्के उसकै अपणे उस मतलब अर अनुग्रह कै मुताबिक
जो पणमेसर कै जरिये यीशु मसीह म्ह म्हारै ताहीं पहल्या ए
पहल्ड़े टेम तै सौंप दिया गया सै। 10किन्तु इब म्हारे उद्धारकर्ता
यीशु मसीह के प्रगट होण कै गेल-गेल म्हारै खात्तर प्रकाशित
करया गया सै। उसनै मौत का अंत कर दिया तथा जीवन अर
अमरता ताहीं सुसमाचार कै जरिये प्रकाशित करया सै।
11इस्से सुसमाचार ताहीं फैलाण कै खात्तर मैरै ताहीं एक
प्रचारक, प्रेरित अर शिक्षक कै रूप म्ह ठहराया गया सै। 12अर
योए कारण सै जिस तै मैं इन बात्तां का दुःख उठाण लागरया
सूं। अर फेर भी शर्मिन्दा नीं सूं क्यूँके जिस पै मन्नै बिश्वास
करया सै, मैं उस ताहीं जाणु सूं अर मैं न्यू मान्नु सूं के उसनै
मैरै ताहीं जो सौंप्या सै, ओ उसकी रुखाळ करण म्ह समर्थ सै
जिब लग ओ दिन आवै,
13उस उत्तम शिक्षा ताहीं जिस ताहीं तन्नै मैरै तै यीशु मसीह
म्ह मिलण आळे बिश्वास अर प्रेम कै गेल्या सुण्या सै तू जो
सिखावै सै, उसका आदर्श वाए उत्तम शिक्षा सै। 14म्हारै भीत्तर
बसण आळी पवित्र आत्मा कै जरिये तू उस कीमती धरोहर
की रुखाळी कर जिस ताहीं तेरै तै सौंप्या गया सै।
15जिसा के तन्नै बेरा सै के वे सारे एशिया म्ह रहवै सैं, मेरै
ताहीं छोड़ गे सैं। फुगिलुस अर हिरमुगिनेस उन्ने म्ह तै सैं।
16उनेसिफिरुस के कुणबे पै प्रभु अनुग्रह करै। क्यूँके उसनै
घणखरे मौक्याँ पै मैरै ताहीं सुख पहोचाया सै। तथा ओ मेरे
जेळ म्ह रहण तै शर्मिन्दा नीं होया सै। 17बल्के ओ तो जिब
रोम आया था, जिब लग मैरै तै मिल नीं लिया, कोसिस तै
मैरै ताहीं टोहन्दा रह्या। 18प्रभु करै उस ताहीं, उस दिन प्रभु
की ओड़ तै दया मिलै, उसनै इफिसुस म्ह मेरी कई तरियां तै
जो सेवाएँ करी सै तू उन ताहीं भोत आच्छी तरियां जाणै सै।

मसीह यीशु का साच्चा सिपाही

2 1जड़ै लग थारी बात सै, मेरे बेट्टे, यीशु मसीह म्ह मिलण
आळे अनुग्रह तै मजबूत हो जा। 2भोत से लोग्गां की
गवाही म्ह मैरै तै तन्नै जो कीमे सुण्या सै, उस ताहीं उन बिश्वास
करण जोग्गा माणसां ताहीं सौंप दे जो दुसरयां ताहीं भी शिक्षा
देण म्ह समर्थ हों। 3दुःख झेलण म्ह मसीह यीशु के एक उत्तम
सैनिक कै समान मैरै गेल्या आ मिल। 4इसा कोए भी, जो
सैनिक कै समान सेवा करण लागरया सै, अपणे आप ताहीं
साधारण जीवन के जंजाळ म्ह नीं फँसान्दा क्यूँके ओ अपणे

शासक अधिकारी ताहीं खुश करण कै खात्तर कोसिस म्ह
रहवै सै। 5अर इस्से तरियां ए जै कोए किसे दौड़ मुकाबले
म्ह भाग लेवै सै, तो उस ताहीं विजय का मुकुट उस बख्त
लग नीं मिल्दा, जिब लग के ओ नियमां का पालन करदे होए
मुकाबले म्ह भाग नीं लेंदा। 6मेहनती काम करणीया किसान
ए उपज का सारया तै पहल्ला हिस्सा पाण का हक राक्खै सै।
7मैं जो बताऊँ सूं, उस पै बिचार कर। प्रभु तेरै तै सब कीमे
समझण की क्षमता देवैगा।

8यीशु मसीह नै याद करदे रहो जो मरे होया म्ह तै दुबारा
जिन्दा हो उठ्या सै अर जो दाऊद का बंशज सै। योए उस
सुसमाचार का सार सै जिसका मैं उपदेश देऊँ सूं 9इस्से कै
खात्तर मैं दुःख झेलण लागरया सूं। उरै लग के एक अपराधी
कै समान मेरै ताहीं जंजीरां म्ह जुड़ दिया गया सै। किन्तु
पणमेसर का बचन तो बंधन म्ह कोनी सै। 10इस्से कारण
पणमेसर के छाँटे होड़ लोग्गां कै खात्तर मैं हरेक दुःख उठान्दा
रहूँ सूं ताके वे भी मसीह यीशु म्ह मिलण आळे उद्धार ताहीं
अनन्त महिमा कै गेल्या पा सकैं।

11यो बचन बिश्वास कै जोग्गा सै के:

जै हम उसकै गेल्या मरे सां, तो उस्से कै गेल्या जीवांगे,
12 जै दुःख उठाये सैं तो उसकै गेल्या शासन भी करांगे।
जै हम उस ताहीं छोड्डांगे, तो ओ भी म्हारै ताहीं छोड़
देवैगा,
13 हम चाहे बिश्वास जोग्गे ना हों, पर ओ सदा सारीहाण
बिश्वास जोग्गा रहवैगा क्यूँके ओ आपणा इन्कार
कोनी कर सक्दा।

स्वीकार करे होड़ काम करणीयें

14लोग्गां ताहीं इन बात्तां का ध्यान दुवान्दे रहो अर पणमेसर
ताहीं गवाह करकै उन ताहीं चौक्कस करदे रहो के वे शब्दां
ताहीं लेकै लड़ाई झगड़ा ना करै। इसे लड़ाई झगड़यां तै कोए
फैयदा नीं होंदा, बल्के इन्नै जो सुणै सैं, वे नास भी हो जावै
सैं। 15अपणे आप ताहीं पणमेसर कै जरिये अपनाण जोग्गा
बणाकै एक इसे सेवक कै रूप म्ह पेस करण की कोसिस करदे
रहो जिसतै किसे बात कै खात्तर शर्मिन्दा होण की जरूत ना
हो। अर जो पणमेसर के सत्य बचन का सही ढंग तै इस्तेमाल
करदा हो,

16अर सांसारिक रोळयां म्ह तथा खामखाँ की बात्तां तै
बच्या रहवै सै। क्यूँके ये बात लोग्गां ताहीं पणमेसर तै दूर ले
जावै सैं। 17इसे लोग्गां की शिक्षाएँ नासूर की तरियां फैलेंगी।
हुमिनयुस अर फिलेतुस इसे ए सैं। 18जो सच्चाई के बिन्दु तै
भटक गे सैं। उनका कहणा सै के पुनरुत्थान तो इब लग हो भी
लिया सै। ये कुछ लोग्गां के बिश्वास नै नास करण लागरे सैं।
19कुछ भी हो पणमेसर नै जिस सही मजबूत नींव ताहीं
डाल्या सै, वा मजबूती कै गेल्या खड़ी सै। उस पै लिख्या होड़
सै, "प्रभु अपणे भगतां नै जाणै सै।" अर "ओ हरेक, जो कहवै
सै के ओ प्रभु का सै, उस ताहीं बुराइयाँ तै बचे रहणा चहिये।"
20एक बड्डे घर म्ह बस सोन्ने-चाँदी के ए बासण तो नीं
होवै सैं, उसम्ह लाकड़ी अर माट्टी के बासण भी होवै सैं। कुछ
ख़ास इस्तेमाल कै खात्तर होवै सैं अर कीमे साधारण इस्तेमाल
कै खात्तर। 21इस करकै जै माणस अपणे आप ताहीं बुराइयाँ
तै शुद्ध कर लेवै सै तो ओ ख़ास इस्तेमाल का बणैगा अर फेर
पवित्र बण कै अपणे मालिक कै खात्तर उपयोगी सिद्ध होगा।
अर किसे भी उत्तम काम कै खात्तर त्यार रहवैगा।
22जवानी की भुंडी इच्छायां तै दूर रहो धार्मिक जीवन,
बिश्वास, प्रेम अर शान्ति कै खात्तर उन सारया कै गेल्या
जो शुद्ध मन तै प्रभु का नाम पुकारै सैं, कोसिस म्ह रहो।
23बेअक्ली तै भरे, बेकार के तर्क-वितर्कां तै सदा बचे रहो।
क्यूँके थम जाणो ए सो के इन तै रोळे पैदा होवै सैं। 24अर प्रभु
के सेवक नै तो झगड़णा ए नीं चहिये। उसनै तो सारया पै दया
करणी चहिये। उसनै शिक्षा देण म्ह योग्य होणा चहिये। उसनै
सहनशील होणा चहिये। 25उसनै अपणे बिरोधियाँ नै भी इस
आस कै गेल्या के पणमेसर उन ताहीं भी मन पलटण करण की
शक्ति देवैगा, विनम्रता कै गेल्या समझाणा चहिये। ताके उन
ताहीं भी सत्य का ज्ञान हो जावै 26अर वे चौकन्ने होकै शैतान
के उस फंदे तै बच लिकड़ैं जिसम्ह शैतान नै उन ताहीं जुड़
राख्या सै ताके वे पणमेसर की मर्जी कै मुताबिक चाल सकैं।

आखरले दिनां म्ह

3 1याद राक्खो आखरले दिनां म्ह म्हारै पै भोत भूंडा
टेम आवैगा। 2लोग स्वार्थी, लालची, घमण्डी, ऊत,
पणमेसर की बुराई करण आळे, माँ-बाप की नीं मानण आळे,
निर्दयी, अपवित्र 3बिना प्रेम आळे, माफ़ ना करण आळे,
निन्दक, असंयमी, बर्बर, जो कीमे आच्छा सै उसके बिरोधी,

4बिश्वासघाती, अविवेकी, अहंकारी अर पणमेसर-प्रेमी होण
की बजाए सुखवादी हो जावैंगे। 5वे धर्म के दिखावटी भेष
तो धरैंगे किन्तु उसकी भीत्तरली शक्ति नै कोनी मानैगें। उनतै
सदा दूर रहियो।

6क्यूँके इनम्ह तै कीमे इसे सैं जो घरां म्ह बड़कै पापी,
कमजोर इच्छा शक्ति की पाप आळी हरेक ढाळ की
इच्छायां तै चाल्लण आळी लुगाइयां नै बस म्ह कर लेवैं
सैं। 7ये लुगाईं सिखण की कोसिस तो सदा करदी रहवै सैं,
किन्तु सत्य के सारे ज्ञान लग वे कद्दे भी कोनी पहोच पांदी।
8यन्नेस अर यम्ब्रेस नै जिस तरियां तै मूसा का बिरोध करया
था, उस्से तरियां ए ये लोग सत्य के बिरोधी सैं। इन लोग्गां
की बुद्धि भ्रष्ट सै अर बिश्वास का अनुसरण करण म्ह ये फैल
सैं। 9किन्तु ये और घणा आग्गै नीं बढ़ पावैंगे क्यूँके जिस
तरियां तै यन्नेस अर यम्ब्रेस की बेअक्ली प्रगट हो गी थी,
उस्से तरियां ए इनकी बेअक्ली भी सारया कै श्यामी उजागर
हो जावैगी।

आखरला आदेश

10कुछ भी हो, तन्नै मेरी शिक्षा का पालन करया सै। मेरे
जीवन जीण के ढंग, मेरे जीवन के मकसद, मेरे बिश्वास, मेरी
सहनशीलता, मेरे प्रेम, मेरे धीरज 11मेरी उन दुखाँ अर पीड़ायां
म्ह मेरा साथ दिया सै थम तो जाणो ए सो के अन्ताकिया,
इकुनियुम अर लुस्त्रा म्ह मेरै ताहीं कितनी भयानक यातनाएँ
दी गयी थीं जिन ताहीं मन्नै सहण करया था। किन्तु प्रभु नै
उन सारया तै मेरी रुखाळ करी। 12असलियत म्ह पणमेसर
की सेवा म्ह जो नेक्की कै गेल्या जीणा चाहवै सैं, सताये ए
जावैंगे। 13किन्तु पापी अर ठग दुसरयां नै छळदे होए खुद छळे
जान्दे होए भुन्डे तै भुण्डे होंदे चाल्ले जावैंगे।

14किन्तु थमनै जिन बात्तां ताहीं सिख्या अर माणया सै.
उन ताहीं करदे जाओ। थम जाणो सो के उन बात्तां ताहीं थमनै
किनतै सिख्या सै। 15अर तन्नै बेरा सै के तू बचपन तै ए पवित्र
शास्त्रां नै भी जाणै सै। वे तन्नै उस विवेक नै दे सकै सैं जिस
तै मसीह यीशु म्ह बिश्वास कै जरिये छुटकारा मिल सकै सै।
16साब्ता पवित्र शास्त्र पणमेसर की प्रेरणा तै रच्या गया सै।
यो लोग्गां नै सत्य की शिक्षा देण, उन ताहीं सुधारण, उन ताहीं
उनकी बुराइयाँ दर्शाण अर धार्मिक जीवन के प्रशिक्षण म्ह
उपयोगी सै। 17जिसतै पणमेसर का हरेक सेवक शास्त्रां का
इस्तेमाल करदे होए हरेक ढाळ के उत्तम काम्मां नै करण कै
खात्तर समर्थ अर साधन सम्पन्न होगा।

4 1पणमेसर नै गवाह करकै अर मसीह यीशु नै आपणा
गवाह बणाकै जो सारे जिन्दयां अर जो मर लिये
सैं, उनका न्याय करण आळा सै, अर क्यूँके उसका दुबारा
आगमन तथा उसका राज्य लवै सै, मैं तन्नै सूह देकै आदेश
देऊँ सूं: 2सुसमाचार का प्रचार कर। चाहे तन्नै सुविधा हो
चाहे असुविधा, आपणा फर्ज करण नै त्यार रह। लोग्गां नै के
करणा चहिये, उन ताहीं समझा। जिब वे कोए भूंडा काम करैं,
उन ताहीं चेतावनी दे। लोग्गां ताहीं धीरज कै गेल्या समझान्दे
होए हौसला दुवा।

3मैं न्यू इस करकै बताण लागरया सूं के एक बख्त इसा
आवैगा जिब लोग उत्तम उपदेश ताहीं सुनणा लग नीं चाहवैंगे।
वे आपणी इच्छायां कै मुताबिक अपणे खात्तर भोतसे गुरु कट्ठे
कर लेवैंगे, जो वैए सुणावैंगे जो वे सुनणा चाहवैं सैं। 4वे अपणे
कानां नै सत्य तै फेर लेवैंगे अर मन गढ़ण आळी कथायां पै
ध्यान देण लाग्गैगे। 5किन्तु तू पक्के इरादे कै गेल हरेक हालत
म्ह अपणे पै काब्बू राख, यातनाएँ झेल अर सुसमाचार के
प्रचार का काम कर। जो सेवा तेरै ताहीं सौंप्पी गयी सै, उस
ताहीं पूरा कर।

6जड़ै लग मेरी बात सै, मैं तो इब अर्घ के समान उँडेला
जाण पै सूं। अर मेरा तो इस जीवन तै विदा लेण का बख्त भी
आण पहोच्या सै। 7मैं उत्तम मुकाबले म्ह लाग्या रहूँ सूं। मैं
आपणी दौड़, दौड़ चुक्या सूं। मन्नै बिश्वास के पंथ की रुखाळ
करी सै। 8इब विजय मुकुट मेरी बाट म्ह सै। जो धार्मिक
जीवन कै खात्तर मिलणा सै। उस दिन न्याय करण आळा
प्रभु मन्नै विजय मुकुट पिरावैगा। ना सिर्फ मेरै ताहीं, बल्के
उन सारया ताहीं जो प्रेम कै गेल्या उसकै प्रगट होण की बाट
देख्दे रहवै सैं।

निजी संदेशा

9मेरै तै जितना तावळा हो सकै, मिलण आण की पूरी कोसिस
कर। 10क्यूँके इस जगत म्ह मोह म्ह पड़कै देमास नै मेरै ताहीं
त्याग दिया सै अर ओ थिस्स्लुनिके नै चल्या गया सै। क्रेस
कैन्स गलातिया ताहीं तथा तीतुस दलमतिया नै चल्या गया
सै। 11सिर्फ लूका ए मेरै धोरै सै। मरकुस कै धोरै जाणा अर
जिब तू आवै, उस ताहीं अपणे गेल्या ले आणा क्यूँके मेरै

काम म्ह ओ मेरा सहायक हो सकै सै। 12तिखिकुस नै मैं
इफिसुस भेजण लागरया सूं।
13जिब तू आवै, तो उस कोट नै, जिस ताहीं मैं त्रोआस
म्ह करपुस कै घरा छोड़ आया था, ले आणा। मेरी किताबां,
ख़ास करकै चर्म-पत्रां नै भी ले आणा।
14ताम्रकार सिकन्दर नै मेरै ताहीं भोत नुक्सान पहोचाया
सै। उसनै जिसा करया सै, प्रभु उस ताहीं उसाए फळ देवैगा।
15तू भी उसतै चौकन्ना रहिये क्यूँके ओ म्हारे उपदेश का घोर
बिरोध करदा रहवै सै।
16सरूआत म्ह जिब मैं आपणा बचाव पेस करण लाग्या
तो मेरै पक्ष म्ह कोए श्यामी कोनी आया। बल्के उन्नै तो मेरै
ताहीं एकला छोड़ दिया था। पणमेसर करै उन ताहीं इसका
हिसाब ना देणा पड़ै। 17मेरै पक्ष म्ह तो प्रभु नै खड़े होकै
मेरै ताहीं शक्ति दी। ताके मेरै जरिये सुसमाचार का भरपूर
प्रचार हो सकै, जिस ताहीं सारे गैर यहूदी सुण पावैं। सिंह
कै मुँह तै मेरै ताहीं बचा लिया गया सै। 18किसे भी पाप
तै भरे हमले तै प्रभु मन्नै बचावैगा अर अपणे सुर्गीय राज्य
म्ह रुखाळ तै ले जावैगा। उसकी महिमा सदा-सदा होन्दी
रहवै। आमीन।

चिटठी की समाप्ति

19प्रिसकिल्ला, अक्विला अर उनेसिफुरुस के कुणबे नै
नमस्कार कहणा। 20इरास्तुस कुरिन्थुस म्ह ठहरगया सै। मन्नै
त्रुफिमुस ताहीं उसकी बिमारी कै कारण मिलेतुस म्ह छोड़
दिया सै। 21जाड्यां तै पहल्या आण की कोसिस कर।
यूबुलुस, पूदेंस, लिनुस तथा क्लौदिया तथा बाकी सारे
भाइयां का तन्नै नमस्कार पहोच्चै।
22प्रभु तेरै गेल्या रहवै। थम सारया तै प्रभु का अनुग्रह हो।

नोट्स